र्गरकम

प्रयामस्थायम् व्याक्तिर्धः स्ट्रिंद्र्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर् (१५००)

मेतु:त्रःयं। प्रस्थमःक्रियःगुः इस्राम्बनाःश्चितः पङ्ग्रदः पः स्वामाः (3)
पडरबबक्क्रकाग्री:इव्याम्बिमाञ्चीर पष्ट्रक्षाः
ৡৄ৾৴.এপ্তি ৴.য়ৣ.ড়ৢ৻য়ৣয়য়য়য়৻ড়ৢ৻৸ (४)
<u>ষ্ট্রব'নপ্ল'ন', 'শ্রম' ক্লি শ</u> ্রতা প্রতা
ब्रे:ब्रह्न्-तुःक्षेत्रःपःमूगुःह्न्यःपःचुत्रःत्वत्रःक्ष्यःत्वितः
지察지·德교 (40)
বম্বুব ঘট স্ক্রেশান্ত্রণ বন্ধ ব্যা
मेतु महिषाम कु मर कु भ्रम्म ।
ਗੁ'ग्र'ग्रे'कॅंब'ਗੁਕ'रेब'ग्रेंद्र'ग्रे'क्स्रा(124)

तसम्बर्धनायष्ट्रवर्धवर्धे क्षेत्रस्व स्वर्धे क्षेत्रस्व स्वर्धवर्धाः व
ಪ್ ಕ್ ರ್-ಹೈಇ (136)
ក្នុងក្នុងក្នុងក្នុងក្នុងក្នុងក្នុងក្នុង
ने अदे देग्षा गुःपू अदे कुलार्य पर्रु पत्ने चुद र्ख्या (212)
রূ:रेग्रां अति कुप कुर क्रिंग् । (234)
क्र्याबादिर ग्रेनि मुन्दर्यायदे ग्रुच क्रेव्य ग्रुप्तिर
শুল্ব্ম্ব্র শ্লুব্ া (240)
मु:ग्र-पु:कॅब:पदे:पदे:ग्रुप:अवत:द्र-देग:ग्रवःग्रु:
र्षेष्ण्या (257)
নিবু লাম্ব্র না ব্র ন্ শূর কা (287)
হ্রত্য ন্ত্র ক্রা ক্রা ক্রা ক্রা ক্রা ক্রা ক্রা ক্
ষ'রেখ্রী'শ্বা'র্ছন্ম'ন্নী'ন্দ'ন্তৰ্গ'ন্নি'ৰ্ক্ক্রা'ন্না' (310)
বন্ধুব্'ব'স্থু'ব্ব'গ্রী'ক্কা'ল্রিল্(327)
বম্ব্র ম'ন্ত্র ক্রম'ন্ত্র ক্রম'ন্ত্র ন্ত্র ক্রম'ন্ত্র ক্রম'ন্তর ক্রম'ন্ত ক্রম'ন্তর ক্রম'ন্
৻য়৾৽ঢ়৽য়ৢয়৽য়
ロ劉 て��で歳��
র্বি, বৃ. স্থ্রা ক্রুব, স্ত প্রথা ব্রু বি, ক্রি বি, বি, বি, বি, বি, বি, বি, বি, বি, বি

	ર્સન્-તુ-ૠૂંચા-લાના જા. છે. શ્રું જા. કૈતા વિષા	(388)
	चगात मान्यशर्मा ८ अदि 'सुमा श चु ८ 'र्स्तुया	(392)
	च गाय गां न्या या या राया था राया या	(411)
	<u>इ.द्र</u> ्ट.षि.त.ष्रुष.क्रुप.क्रुप.चर.यद्ग्य.त.क्षेत्र.टत.क्ष.त.	
	ロ蒼气で	(412)
	र्षातःस्वःविःचःरेअःभ्वःश्चेत्रंश्चेःक्षेरःरष्वाषःर्वअःचह्रदःया	(529)
ಹ	।ह्रमानी मानुव्या	(580)